



# National Science Day

28 February 2022

National Awards for Science and Technology  
Communication for the year 2021

**National Council for Science & Technology Communication**  
**Department of Science & Technology**  
**Ministry of Science & Technology, Govt. of India**



# राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

२८ फरवरी २०२२

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार  
हेतु वर्ष २०२१ के राष्ट्रीय पुरस्कार

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्  
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग  
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार



राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद् (एन सी एस टी सी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रयासरत है:

- » विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का संचार
- » वैज्ञानिक अभिरुचि को बढ़ावा देना
- » ऐसे प्रयासों को समन्वित एवं संगठित करना

**हमारे लक्ष्य हैं:**

- » विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई प्रगति के संबंध में जागृति पैदा करना
- » समुदाय को जानकारी युक्त निर्णय लेने में सक्षम बनाना
- » वैज्ञानिक अभिरुचि संवर्धन करना

**हमारे महत्वपूर्ण सहभागी हैं:**

- » सरकार के मंत्रालय एवं विभाग
- » राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदें/विभाग
- » विश्वविद्यालय एवं शैक्षणिक संस्थान
- » अनुसंधान प्रयोगशालाएं, स्वायत्त एवं स्वैच्छिक संस्थाएं

**NATIONAL COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION (NCSTC), DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY, GOVERNMENT OF INDIA ENDEAVOURS TO:**

- Communicate science & technology
- Stimulate scientific temper
- Coordinate and orchestrate such efforts

**Our Goals are:**

- To create excitement concerning advances in science & technology
- To enable informed decision-making in the community
- To inculcate scientific temper

**Our Important Partners are:**

- Government Ministries and Departments
- State S&T Councils/Departments
- Universities and Academic Institutions
- Research Laboratories, Autonomous and Voluntary Organisations

## वर्ष 2021 के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार राष्ट्रीय पुरस्कार

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद् (एन सी एस टी सी) द्वारा विज्ञान लोकप्रियकरण और संचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों को उत्प्रेरित, प्रोत्साहित और मान्यता प्रदान करने के लिए सन् 1987 में राष्ट्रीय पुरस्कारों की स्थापना की गई। वर्तमान में इस क्षेत्र में छः श्रेणियां हैं।

### (क) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार:

यह पुरस्कार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में विगत पांच वर्षों के दौरान उत्कृष्ट कार्य के लिए और/अथवा देश में व्यापक रूप से प्रभावी, वैज्ञानिक अभिरुचि का संवर्धन करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 5,00,000/- (पांच लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

### (ख) पुस्तकों एवं पत्रिकाओं सहित प्रिंट मीडिया के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार:

यह पुरस्कार विगत पांच वर्षों के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लोकप्रियकरण और/अथवा पुस्तकों, पत्रिकाओं, इन्टरनेट आदि सहित प्रिंट मीडिया के माध्यम से वैज्ञानिक अभिरुचि को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट प्रयास के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 2,00,000/- (दो लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

### (ग) बच्चों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार:

यह पुरस्कार विगत पांच वर्षों के दौरान बच्चों के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण में उत्कृष्ट कार्य के लिए और/अथवा देश में व्यापक रूप से प्रभावी वैज्ञानिक अभिरुचि का संवर्धन करने के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 2,00,000/- (दो लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।



## **NATIONAL AWARDS FOR SCIENCE AND TECHNOLOGY COMMUNICATION FOR THE YEAR 2021**

**National Council for Science & Technology Communication (NCSTC) instituted national awards in 1987 to stimulate, encourage and recognize outstanding efforts in the area of science popularization and communication. There are six categories of awards at present as below:**

### **A. National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication**

This award is presented to an individual or an institution for outstanding work in communication of science and technology and/or promoting scientific temper which had the widest impact in the country during the past five years. The award consists of Rs.5,00,000/- (Rupees five lakh), a memento and a citation.

### **B. National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication through Print Media including Books and Magazines**

This award is presented to an individual or an institution for outstanding efforts in popularization of science & technology and/or promoting scientific temper through print media including books, magazines, internet, etc, during the past five years. The award consists of Rs.2,00,000/- (Rupees two lakh), a memento and a citation.

### **C. National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Popularization among Children**

This award is presented to an individual or an institution for outstanding work in popularization of science & technology and/or promotion of scientific temper among children which has the widest impact in the country during the past five years. The award consists of Rs.2,00,000/- (Rupees two lakh), a memento and a citation.

**(घ) लोकप्रिय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी साहित्य का संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित भाषाओं तथा अंग्रेजी में अनुवाद करने में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार:**

यह पुरस्कार विगत पांच वर्षों के दौरान लोकप्रिय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी साहित्य का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने में उत्कृष्ट योगदान के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 2,00,000/— (दो लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

**(ङ.) नवप्रवर्तक एवं पारंपरिक प्रणालियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार:**

यह पुरस्कार विगत पांच वर्षों के दौरान परंपरागत व नवप्रवर्तक प्रणालियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के संचार और/अथवा वैज्ञानिक अभिरुचि के प्रोत्साहन में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 2,00,000/— (दो लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

**(च) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार:**

यह पुरस्कार विचाराधीन अवधि के दौरान रेडियो और/अथवा टेलीविजन मीडिया के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के संचार और/अथवा वैज्ञानिक अभिरुचि के प्रोत्साहन में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 2,00,000/— (दो लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

#### **D. National Award for Outstanding Efforts in Translation of Popular Science & Technology Literature in languages mentioned in the eighth schedule of the Constitution of India and in English**

This award is presented to an individual or an institution for outstanding work in translating popular science and technology literature in and from regional languages during the past five years. The award consists of Rs.2,00,000/- (Rupees two lakh), a memento and a citation.

#### **E. National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication through Innovative and Traditional Methods**

This award is presented to an individual or an institution for outstanding efforts in communication of science & technology and/or promotion of scientific temper through innovative and traditional methods during the past five years. The award consists of Rs.2,00,000/- (Rupees two lakh), a memento and a citation.

#### **F. National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication in Electronic Media**

This award is presented to an individual or an institution for outstanding efforts in communication of science & technology and/or promotion of scientific temper through radio and/or television media during the past five years. The award consists of Rs.2,00,000/- (Rupees two lakh), a memento and a citation.



## 2021 के पुरस्कार निम्नलिखित उम्मीदवारों को दिए गये:

सामान्य रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (श्रेणी-ए)

### पी.एन. पनिकर फाउंडेशन

पी.एन. पनिकर फाउंडेशन की स्थापना केरल के पुस्तकालय और साक्षरता आंदोलन के जनक पी.एन. पनिकर के उपदेश और अभ्यास किए गए आदर्शों को कायम रखने के लिए की गई थी। समग्र और सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्कूली बच्चों, युवाओं और वंचितों के बीच पढ़ने और संबंधित गतिविधियों की आदत डालने पर जोर देने के प्रमुख घटक के रूप में फाउंडेशन का उद्देश्य गतिविधियों की श्रृंखला के माध्यम से वैज्ञानिक स्वभाव और वैज्ञानिक ज्ञान विकसित करना है ताकि युवाओं को वैज्ञानिक प्रयोग करने के लिए तैयार किया जाए। फाउंडेशन नियमित रूप से विज्ञान संचार के आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन करता है ताकि बेहतर उत्पादकता और नवीन स्टार्ट-अप्स के माध्यम से अच्छे प्रतिफल हेतु वैज्ञानिक जागरूकता पैदा की जा सके। फाउंडेशन “प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना” नारे के साथ कौशल विकास कार्यक्रम भी आयोजित करता है। यह दीर्घकालिक सतत विकास के लिए हरित बुद्धि के अभ्यास द्वारा पर्यावरण की रक्षा के लिए ज्ञान अर्थव्यवस्था और हरित अर्थव्यवस्था और हरित वृत्ति के सृजन के लिए गतिविधियों को बढ़ावा देता है और व्यवस्थित करता है। पी.एन. पनिकर फाउंडेशन द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों के सम्मान के परिणामस्वरूप केरल सरकार द्वारा एक स्वायत्त संगठन के रूप में पी.एन. पनिकर विज्ञान विकास केंद्र की स्थापना बच्चों और युवाओं के बीच वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए की गई।

### पी.एन. पनिकर फाउंडेशन

सम्मुख गवर्नमेंट आर्ट कॉलेज, थायकॉड

तिरुवनन्तपुरम-695014

मोबाइल: 9447064944

फोन: 0471.2328560

ई-मेल: kedesindia@gmail.com, pnpanickerfoundatoin@gmail.com

## THE AWARDS FOR 2021 WERE GIVEN TO THE FOLLOWING NOMINEES:

### NATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION IN GENERAL (CATEGORY-A)

#### **P.N. Panicker Foundation**

P.N. Panicker Foundation is established to perpetuate the ideals preached and practiced by P.N. Panicker, the father of Library and Literacy Movement of Kerala. As key component of its thrust upon inculcating the habit of reading and related activities among the school children, youth and the underprivileged with the aim of the holistic and all round development, the Foundation aims to developing scientific temper and scientific knowledge through series of activities so as to mould youngsters to take up scientific experiments. Foundation organizes regularly outreach programmes as part of science communication so as to kindle scientific awareness for better productivity and good returns through innovative start-ups. The Foundation also regularly organises skill development programmes with the slogan "Empowering women through Technology". It promotes and organises activities for knowledge economy and green economy and generation of green jobs to protect the environment by practising green intelligence for long-term sustainable development. In recognition to the commendable work done by P.N. Panicker Foundation resulted in setting up of P.N. Panicker Vigyan Vikas Kendra by the Govt. of Kerala as an autonomous organization to promote scientific literacy among the children and youth.

#### **P.N. Panicker Foundation**

Opp. Govt. Arts College, Thycaud

Thiruvananthapuram-695014

Mob: 9447064944

Phone: 0471-2328560

Email: kedesindia@gmail.com, pnpanickerfoundatoin@gmail.com

## पुस्तकों और पत्रिकाओं सहित प्रिंट मीडिया के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (श्रेणी-बी)

### डॉ. रमेश चंद्र परिडा

डॉ. रमेश चंद्र परिडा, रसायन विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। उन्होंने पिछले 55 वर्षों से प्रिंट मीडिया के माध्यम से विज्ञान को लोकप्रिय बनाया है। उन्होंने 102 पुस्तकें लिखीं, उड़िया में 3000 से अधिक लेख और अंग्रेजी में 300 लेख लिखे। ये लेख अधिकांशतः प्रमुख ओडिया अखबारों और पत्रिकाओं में और प्रमुख अंग्रेजी पत्रिकाओं जैसे साइंस रिपोर्टर, ड्रीम 2047, कुरुक्षेत्र, योजना, मिरर, टेरा ग्रीन, एग्रीकल्चर टुडे, एम्प्लॉयमेंट न्यूज आदि में प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाओं का संपादन भी किया जैसे विज्ञान प्रभा और विज्ञान दिगंता (प्रकाशक: ओडिशा विज्ञान अकादमी) और विज्ञान बुलेटिन जैसे विज्ञान ओ परिवेश बारता और विज्ञान और पर्यावरण बुलेटिन।

### डॉ. रमेश चंद्र परिडा

सेवानिवृत्त प्राध्यापक

ओडिशा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी

124 / 2445, खन्डगिरी विहार

भुवनेश्वर-751030

मोबाइल: 09937985767

ई-मेल: paridanana47@gmail.com

राविप्रौसंप NCSTC



## NATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION THROUGH PRINT MEDIA INCLUDING BOOKS AND MAGAZINES (CATEGORY-B)



### Dr. Ramesh Chandra Parida

Dr. Ramesh Chandra Parida, is a retired Professor in Chemistry. He has popularized science through print media for the last 55 years. He authored 102 books, over 3000 articles in Odia and 300 articles in English. These articles have been published in most of the leading Odia newspapers and in prominent English magazines like the Science Reporter, Dream 2047, Kurukshetra, Yojana, Mirror, Terra Green, Agriculture Today, Employment News, etc. He also edited popular science magazines like Bigyan Prabha and Bigyan Diganta (Publisher: Odisha Bigyan Academy) and science bulletins like Bigyan O Paribesha Barta & Science and Environmental Bulletin.

### Dr. Ramesh Chandra Parida

Retired Professor

Odisha University of Agriculture & Technology

124/2445, Khandagiri Vihar

Bhubaneswar- 751 030

Mob.: 09937985767

E-mail: paridanana47@gmail.com



## पुस्तकों और पत्रिकाओं सहित प्रिंट मीडिया के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (श्रेणी-बी)

### डॉ. एच.के. चोपड़ा

डॉ. एच. के. चोपड़ा एक प्रतिष्ठित हृदय रोग विशेषज्ञ हैं, जिन्हें विशिष्ट संगठनों से फेलोशिप प्राप्त है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उनका उत्कृष्ट योगदान भारत और दुनिया में लोकप्रिय पुस्तकों, पत्रिकाओं और पत्रिकाओं के माध्यम से आता है। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 780 प्रकाशन प्रकाशित किए हैं।

### डॉ. हिरदय कुमार चोपड़ा

वरिष्ठ परामर्शदाता, हृदय रोग विज्ञान

एफ-16, कालकाजी

नई दिल्ली 110019

मोबाइल: 9811090204

फोन: 01142000253

ई-मेल: drhkchopra@gmail.com

राविप्रौसंप NCSTC

## **NNATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION THROUGH PRINT MEDIA INCLUDING BOOKS AND MAGAZINES (CATEGORY-B)**



### **Dr. Hirday Kumar Chopra**

Dr. H.K. Chopra is an eminent Cardiologist having fellowships from organizations of distinction. His outstanding contribution in Science & Technology Communication come through popular books, magazines and journals in India and world. He has published 780 publications in various national & international journals.

### **Dr. Hirday Kumar Chopra**

Senior Consultant, Cardiology

F-16, Kalkaji, New Delhi-110019

Phone: 01142000253

Mob: 9811090204

Email: drhkchopra@gmail.com

राविप्रौसंप NCSTC

## बच्चों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार: (श्रेणी सी)

### डॉ. श्रीमती नरेश यादव

डॉ. श्रीमती नरेश यादव बच्चों के बीच विज्ञान जागरूकता के लिए पिछले 25 वर्षों से काम कर रही हैं। बच्चों के साथ साथ अध्यापकों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिससे अध्यापक बच्चों को खेल खेल में विज्ञान तथा गणित जैसे विषयों को पढ़ा सके और अधिक से अधिक बच्चों की रुचि विज्ञान की तरफ बढ़ाएं। बच्चों के बीच प्रदर्शनीया लगाकर, प्रतियोगिता आयोजित कर, मॉडल आदि तरीकों से जागरूक किया है और मुख्य रूप से हरियाणा, राजस्थान तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यह काम किया है। लगभग 15 लाख बच्चों को प्रत्यक्ष तौर पर तथा 50 लाख बच्चों को अप्रत्यक्ष तौर पर जागरूक किया है।

### डॉ. श्रीमती नरेश यादव

अध्यक्षा, कुन्दन वेलफेयर सोसाइटी

61, होप अपार्टमेंट, सैक्टर-15,

पार्ट-2, गुरुग्राम,

हरियाणा-122001

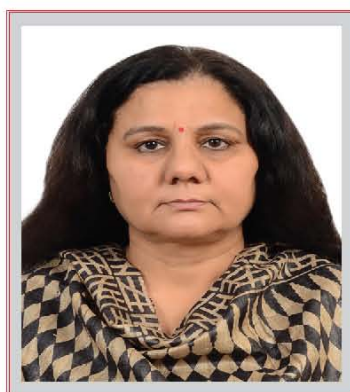
मोबाइल: 9891077596

फोन: 0124.4299946

ई-मेल: yadavnare@gmail.com

राविप्रौसंप NCSTC

## NATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY POPULARIZATION AMONG CHILDREN (CATEGORY-C)



### **Dr. Mrs. Naresh Yadav**

Dr. Smt. Naresh Yadav has been working for the last 25 years for science awareness among children. Along with the children, training programs have also been organized for the teachers, so that the teacher can teach children by play way the subjects like science and Maths and increase the interest of more and more children towards science. By organizing exhibitions, organizing competitions, models etc. among the children, has been made aware and has done this work mainly in Haryana, Rajasthan and NCR. About 15 lakh children have been made aware directly and 50 lakh children indirectly.

### **Dr. Mrs. Naresh Yadav**

President, Kundan Welfare Society  
61- Hope Apartment, Sector-15, Part-2,  
Gurugram, Haryana-122001  
Mob: 0124-4299946,9891077596  
Email: yadavnare@gmail.com



## बच्चों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार: (श्रेणी सी)

### श्री विजयकुमार चंद्रकांत वेरेंकर

श्री विजयकुमार चंद्रकांत वेरेंकर पिछले 35 वर्षों से बच्चों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए स्कूलों में विज्ञान की बुनियादी अवधारणाओं को समझाने वाले कम लागत वाले सरल विज्ञान प्रयोगों के लिए काम कर रहे हैं। कार्यक्रम का शीर्षक "छोटा वैज्ञानिक" है, जिसमें वह 3 घंटे के लिए 60 नॉन स्टॉप सरल विज्ञान प्रयोग करते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा, वैज्ञानिक प्रवृत्ति और वैज्ञानिक जागरूकता पैदा करना है। वह 1.5 लाख से अधिक छात्रों तक पहुंचे। उसी कार्यक्रम के आधार पर उन्होंने "छोटा वैज्ञानिक – 60 सरल विज्ञान प्रयोग" पुस्तक प्रकाशित की। पुस्तक विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध है जैसे अंग्रेजी – छोटा वैज्ञानिक, हिंदी – स्कूल बैग में विद्या प्रयोगशाला, कोंकणी – हंसते खेलते विद्या, मराठी – छोटा वैज्ञानिक, गुजराती – छोटा वैज्ञानिक (वर्तमान में तेलुगु में अनुवाद किया जा रहा है)।

### श्री विजयकुमार चंद्रकांत वेरेंकर

सेवानिवृत्त सहायक प्रधानाध्यापक

226, चंद्रकांत बिल्डिंग,

सुंदर पेठ संकलित,

गोवा –403505

मोबाइल: 08830955882

ई-मेल: vcvphs@gmail.com

राविप्रौसंप NCSTC

## NATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY POPULARIZATION AMONG CHILDREN (CATEGORY-C)



### **Shri Vijaykumar Chandrakant Verenkar**

Shri Vijay kumar Chandrakant Verenkar is working for Popularisation of Science among Children for past 35 years in Schools with Low Cost simple Science experiments explaining basic concepts of Science. The Programme is titled “CHHOTA SCIENTIST”, in which he performs 60 Non Stop Simple Science Experiments for 3 hours. The Objective of this Programme is to inculcate Scientific Attitude, inquisitiveness, curiosity, Scientific Temper and Scientific Awareness among children. He reached to more than 1.5 Lakh Students. Based on the same Programme he published a Book “CHHOTA SCIENTIST- 60 Simple Science Experiments”. The book is available in different languages like English - Chhota Scientist Hindi - School Bag main Vidhyaan Prayogshala, Konkani- Hansat Khelat Vidyaan Marathi- Chhota Vaidyanik Gujarati- Chhota Scientist (Currently being translated to Telugu).

### **Shri Vijaykumar Chandrakant Verenkar**

Retd. Assistant Headmaster

226, Chandrakant Bldg, Sunder Peth, Sanquelim

Goa-403505

Mob: 08830955882, 9764617070

Email: vcvphs@gmail.com

## नवप्रवर्तक एवं पारंपरिक प्रणालियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार: (श्रेणी ई)

### डॉ. विकास मिश्रा

डॉ. विकास मिश्रा विगत 20 वर्षों से विज्ञान एवं तकनीकी संचार के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। लोक-माध्यमों से विज्ञान एवं तकनीकी संचार में आपका विशेष योगदान रहा है। कठपुतली, नुक्कड़ नाटक, प्रयोग प्रदर्शन एवं व्याख्यान आदि से विज्ञान संचार द्वारा आपने एक लाख से अधिक विद्यार्थियों में वैज्ञानिक तथ्यों के प्रति जागरूकता लाने का कार्य किया है। 'विज्ञान जागरूकता मेला' के माध्यम से आपने कानपुर नगर, सीतापुर एवं बाराबंकी आदि जिलों के शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में विज्ञान लोकप्रियकरण का सराहनीय कार्य किया है। कोरोनावायरस जागरूकता हेतु हिंदी तथा अंग्रेजी माध्यम में ई बिषय वस्तु निर्मित किया है। आपने अपनी टीम के साथ गांवों में 'विज्ञान पुतुल नाटिका' द्वारा कोरोना संक्रमण के कारण, सावधानियां एवं उपचार संबंधी जागरूकता के साथ ही लोगों को टीकाकरण हेतु प्रेरित किया। वर्ष 2017 से निरन्तर 'इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल' में लोक माध्यम से विज्ञान संचार का कार्य कर रहे हैं। आपके जन-जागरूकता कार्यक्रमों का प्रमुख क्षेत्र जनसामान्य में वैज्ञानिक चेतना का विकास, लोकोपयोगी विज्ञान का प्रचार-प्रसार, विज्ञान को लैब से लैण्ड तक लाना, जॉयफुल साइन्स थू पपेट्री, दैनिक जीवन में विज्ञान, प्रकृति से सीखें, उद्धमिता एवं नवाचार, तथ्यपरक विज्ञान लेखन तथा कौशल विकास रहा है।

### डॉ. विकास मिश्रा

सहायक प्राध्यापक

अकबरपुर महाविद्यालय

748, बी ब्लॉक, नियर त्रिपाठी गेस्ट हॉउस

पनकी, कानपुर

उत्तर प्रदेश-208020

मोबाइल: 9411692797, 9450151833

ई-मेल: vikas625@gmail.com

राविप्रौसंप NCSTC



## NATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION THROUGH INNOVATIVE AND TRADITIONAL METHODS (CATEGORY E)



### Dr. Vikas Mishra

Dr. Vikas Mishra has been working in the field of science and technology communication for the last 20 years where he made a notable contribution through puppetry, street plays, demonstrations and lectures etc. He has been popularizing science in the educationally backward areas of districts like Kanpur Nagar, Sitapur and Barabanki through 'Science Awareness Fairs'. He has created awareness of the causes, precautions and treatment of corona infection through 'Vigyan Putul Natika' in villages and created e-content in Hindi and English for Coronavirus awareness. Since the year 2017, he has also been continuously working on science communication through the folk media in 'India International Science Festival'. The main areas of his public awareness programs are propagation of public utility science, bringing science from lab to land, joyful science through puppetry, science in daily life, learning from nature, entrepreneurship & innovation, factual science Writing and skill development.

### Dr. Vikas Mishra

Assistant Professor

Akbarpur Mahavidyalaya

748, B- Block, Near Tripathi Guest House, Panki, Kanpur Uttar Pradesh-208020

Mob.: 9411692797, 9450151833

E-mail: vikas625@gmail.com



## नवप्रवर्तक एवं पारंपरिक प्रणालियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार: (श्रेणी ई)

### डॉ. सुमन मोर

डॉ. सुमन मोर 21 वर्षों से अधिक समय से पर्यावरण और जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। वह बेहतर स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए जागरूकता पैदा करने के लिए वैज्ञानिक स्वभाव के निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल हैं। उनका उद्देश्य उभरती पर्यावरणीय चिंताओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए जनता में वैज्ञानिक ज्ञान का संचार और प्रसार करना है और उन्हें स्थिरता के लिए प्रेरित करना है। हाल ही में, कोविड-19 महामारी के दौरान, डॉ. मोर ने रोग की रोकथाम में जनता को सशक्त बनाने के लिए वैज्ञानिक ज्ञान के साथ 'सूचना, शिक्षा और संचार' सामग्री के विकास का नेतृत्व किया। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में उनकी कॉमिक श्रृंखला 'किड्स, वायु और कोरोना' को अपनाया गया और मार्च 2020 की शुरुआत में भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बच्चों और जनता को कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार हेतु शामिल करने के लिए जारी किया गया। उन्होंने स्वास्थ्य और पर्यावरण पर लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए एक 'इको-हेल्थ कैलेंडर' भी विकसित किया है।।

### डॉ. सुमन मोर

सह प्राध्यापक

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पंजाब विश्वविद्यालय

सैक्टर-14, चंडीगढ़-160014

मोबाइल: 9876346309

ई-मेल: sumanmor@yahoo.com

राविप्रौसंप NCSTC

## NATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION THROUGH INNOVATIVE AND TRADITIONAL METHODS (CATEGORY E)



### Dr. Suman Mor

Dr. Suman Mor has been working in the area of environment and public health for over 21 years. She is actively involved in building scientific temperament to create awareness for better health and environment. She aims to communicate and disseminate scientific knowledge to the public to create awareness about emerging environmental concerns and motivates them for sustainability.

Recently, during the COVID-19 pandemic, Dr. Mor led the development of 'Information, Education and Communication' materials with scientific knowledge to empower public in disease prevention. Her comic series 'Kids, Vaayu & Corona' in various national and international languages was adopted and released by the Ministry of Health, Government of India in early March 2020 to involve children and the public for COVID-19 appropriate behavior. She has also developed an 'Eco-Health Calendar' to raise awareness amongst masses on health and environment.

### Dr. Suman Mor

Associate Professor

Department of Environment Studies, Punjab University, Sector-14, Chandigarh-160014, India

Mob: 9876346309

Email: sumanmor@yahoo.com

## नवप्रवर्तक एवं पारंपरिक प्रणालियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार: (श्रेणी ई)

### डॉ. संतोष कुमार सिंह

डॉ. संतोष कुमार सिंह ने लोकप्रिय व्याख्यान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों और अनुसंधान के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके वैज्ञानिक व्याख्यानों और प्रेरक वार्ताओं ने वैज्ञानिक सोच के विकास और छात्रों के शैक्षिक विकास में योगदान दिया है। उनके प्रयासों से 50000 से अधिक ग्रामीण छात्रों को लाभ हुआ है, 12000 से अधिक पेड़ों को बचाया गया है जबकि 25,000 से अधिक पेड़ लगाए गए हैं। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए गहन वैज्ञानिक प्रशिक्षण अभियान चलाया। आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी से 1,00,000 से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं।

### डॉ. संतोष कुमार सिंह

वरिष्ठ वैज्ञानिक

आयुर्विज्ञान संस्थान

बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय

वाराणसी-221005

मोबाइल: 9415389046, 9415389046

ई-मेल: singhsk71@yahoo.com, santosh.singh01@bhu.ac.in

राविप्रौसंप NCSTC

## NATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION THROUGH INNOVATIVE AND TRADITIONAL METHODS (CATEGORY E)



### Dr. Santosh Kumar Singh

Dr Santosh Kumar Singh has made important contributions in spreading science & technology by means of popular lectures, scientific trainings and awareness programmes and research. His scientific lectures and inspiring talks have contributed to development of scientific thinking and educational development of students. His efforts have benefitted more than 50000 rural students, saved more than 12000 trees while more than 25000 trees were planted. He carried out intensive scientific training campaign for raising the income of farmers and making them self reliant. More than 100000 farmers have benefitted from the information about modern farming techniques.

### Dr. Santosh Kumar Singh

Senior Scientist

Institute of Medical Sciences, Banaras Hindu University, Varanasi-221005

Mob: 9415389046, 9415389046

Email: singhsk71@yahoo.com, santosh.singh01@bhu.ac.in



## नवप्रवर्तक एवं पारंपरिक प्रणालियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार: (श्रेणी ई)

### NAVIC नेशनल एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी इनिशिएटिव एंड कोऑपरेशन,

NAVIC नेशनल एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी इनिशिएटिव एंड कोऑपरेशन, यू.पी. ने पारंपरिक तरीकों से वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने और समुदायों तक ले जाने और समाज के विभिन्न वर्गों को लाभान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। NAVIC के स्वास्थ्य के क्षेत्र में, नीम से स्वरोजगार, इसके बीज बैंकिंग और स्वरोजगार के लिए नीम की खाद और नीम के तेल से जैविक खेती के क्षेत्र में काम कर रहा है। यह छह लाख से अधिक ग्रामीण और शहरी बच्चों, किसानों और जनता के बीच विज्ञान प्रदर्शनियों, छात्रों की औद्योगिक यात्राओं, यात्रा, सम्मेलनों, प्रकाशनों और लोकप्रिय विज्ञान जैसी विशेष तकनीकों का उपयोग करके वैज्ञानिक जागरूकता फैलाने में अग्रणी है।

### NAVIC नेशनल एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी इनिशिएटिव एंड कोऑपरेशन

उत्तर प्रदेश

लेन नं-7, प्लॉट नं-15, भक्ति नगर

वाराणसी-221005

उत्तर प्रदेश-221002

मोबाइल: 7839457177, 9956195307, 9415263277

ई-मेल: vk28singh@gmail.com, navicngo@gmail.com

## **NATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION THROUGH INNOVATIVE AND TRADITIONAL METHODS (CATEGORY E)**

### **‘NAVIC’, National Association for Voluntary Initiative & Co-operation**

NAVIC, National Association for Voluntary Initiative and Cooperation, U.P. has played important role in developing and taking the scientific outlook with traditional methods to communities and benefitting different sections of society. NAVIC is working in the area of health, self-employment from Neem, its seed banking, and organic farming with Neem manure and Neem oil for self employment. It is at frontline in spreading scientific awareness using special techniques like science exhibitions, industrial visits of students, yatras, conferences, publications, and popularised science among more than six lakh rural and urban children, farmers and public.

### **‘NAVIC’, National Association for Voluntary Initiative & Co-operation**

Uttar Pradesh

Lane No. 7, Plot No 15

Bhakti Nagar, Varanasi-221002

Mob: 7839457177, 9956195307, 9415263277

Email: vk28singh@gmail.com, navicngo@gmail.com

## इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (श्रेणी एफ)

### श्री जलाल उद दीन बाबा

जलाल उद दीन बाबा एक स्वतंत्र विज्ञान फिल्म निर्माता हैं, जो आम जनता में वैज्ञानिक सोच विकसित करने का शौक रखते हैं। छात्रों में विज्ञान की भावना पैदा करने और जम्मू-कश्मीर की युवा पीढ़ी को अनुसंधान, नवाचार और रचनात्मकता के लिए प्रेरित करने के लिए वह जलाल फिल्म का उपयोग माध्यम के रूप में करते हैं। वह विज्ञान फिल्म निर्माण मास्टर कक्षाओं, व्याख्यान और प्रस्तुतियों, विज्ञान कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं, प्रकाशनों, मास्टर कक्षाओं, व्याख्यान और लघु कथाओं जैसी कई गतिविधियों के साथ लोगों को संलग्न करते हैं। 24 सितंबर 2017 को "मन की बात" में उनकी फिल्म "सेविंग द सेवियर" का उल्लेख किया गया था।

### श्री जलाल उद दीन बाबा

विज्ञान फिल्म निर्माता/विज्ञान संचारक

मकान नं-121, सम्मुख वेटेनरी

निकट राजकीय डिग्री कॉलेज, श्रीनगर

कश्मीर-190002

मोबाइल: 9419005759, 9596193616

ई-मेल: jalaljeelani16@gmail.com

राविप्रौसंप NCSTC

## NATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION IN THE ELECTRONIC MEDIUM (CATEGORY F)



### Shri Jalal Ud Din Baba

Jalal Ud Din Baba is an independent Science Filmmaker passionate about building scientific temper in masses. Jalal uses film as medium to inculcate the spirit of science in students and to inspire the younger generation of Jammu & Kashmir towards research, innovation and creativity. He engages people with a range of activities like science filmmaking master classes, lectures and presentations, science workshops, panel discussions, publications, master classes, lectures and short stories. His film "Saving The Saviour" was mentioned in Mann Ki Baat on 24th September 2017.

### Shri Jalal Ud Din Baba

Science Filmmaker/ Science Communicator

House No-121 Opposite Veterinary, Near Govt.

Degree College of Science and Commerce Hawal, Srinagar, Kashmir-190002

Mob: 9419005759, 9596193616

Email: jalaljeelani16@gmail.com



## इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (श्रेणी एफ)

### प्रो डॉ. राजेन्द्र कुमार धमीजा

प्रो डॉ. राजेन्द्र कुमार धमीजा एक न्यूरोलॉजिस्ट हैं और वर्तमान में इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज, नई दिल्ली में निदेशक हैं, और पूर्व में नई दिल्ली में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख हैं। उनके पास विभिन्न देशों की सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों और स्वास्थ्य प्रणालियों और स्वास्थ्य शिक्षा और रोगी जागरूकता अभियानों के बारे में विशेषज्ञता और समझ है। वह एक स्तंभकार और संपादक हैं और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर राष्ट्रीय समाचार पत्रों में नियमित रूप से लिखते हैं। वह स्वास्थ्य शिक्षा पर मासिक रेडियो शो की मेजबानी करते रहे हैं। वह आकाशवाणी (विज्ञान पत्रिका) के विज्ञान विंग के साथ-साथ डीडी विज्ञान से भी जुड़े हुए हैं और उनके विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेते हैं। वह नियमित रूप से टीवी शो में भाग लेते हैं और विभिन्न टीवी चैनलों पर स्वास्थ्य के मुद्दों पर चर्चा करते हैं। उन्होंने इन्वेंशन इंटेलिजेंस के साथ-साथ विज्ञान प्रगति में भी बड़े पैमाने पर लिखा है। उन्होंने समुदाय में और देश भर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में कई रोगी जागरूकता अभियान आयोजित किए हैं। अखिल भारतीय रेडियो में युवा वाणी शो के लिए विज्ञान कार्यक्रम आयोजित करके स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सार्वजनिक कार्यक्रमों और एसोचौम, आईएचआरओ, रोटरी और लायन क्लब जैसे सामाजिक संगठनों के अन्य प्लेटफार्मों में मस्तिष्क और स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर सार्वजनिक व्याख्यान और वेबिनार भी लेते हैं।

राविप्रौसंप NCSTC

### प्रो डॉ. राजेन्द्र कुमार धमीजा

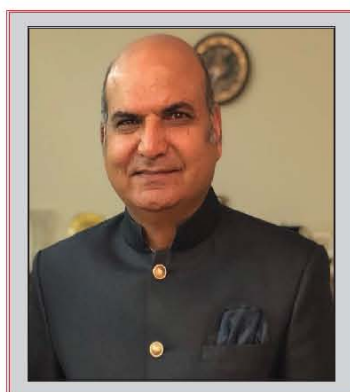
डी- II / डी-4, मोती नगर

नई दिल्ली-110021

मोबाइल: 9990886679

ई-मेल: dhamijark@gov.in, dhamijark@hotmail.com

## NATIONAL AWARD FOR OUTSTANDING EFFORTS IN SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION IN THE ELECTRONIC MEDIUM (CATEGORY F)



### **Prof. DR. Rajinder Kumar Dhamija**

Prof DR. Rajinder K Dhamija is a neurologist and currently the Director, Institute of Human Behaviour and Allied Sciences New Delhi, and formerly Head of Neurology Department at Lady Hardinge Medical College in New Delhi. He has expertise and grasp of public health policies and health systems of different countries and is passionate about health education and patient awareness campaigns. He is a columnist and editor and writes regularly in National Newspapers on Health related issues. He has been hosting a monthly radio show on health education. He is also involved with the Science wing of AIR (Vigyan Patrika) as well as DD Vigyan and participates regularly in their science education programmes. He regularly participates in TV shows and discussions on Health issues on various TV Channels. He has also written extensively in Invention Intelligence as well as Vigyan Pargati. He has organised many patient awareness campaigns in the community and in various educational institutions across the country. He has been instrumental in promoting scientific temper in school children by conducting a science programme for Yuva Vani show in All India Radio. He also takes public lectures and webinars on Brain and health related topics in Ministry of Health and Family Welfare public events and other platforms of social organizations like ASSOCHAM, IHRO, Rotary and Lion Clubs.

### **Prof. Dr. Rajinder Kumar Dhamija**

DII/C4 Moti Bagh, New Delhi-110021

Mob: 9990886679

Email: dhamijark@gov.in, dhamijark@hotmail.com



राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्  
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार  
टैक्नॉलोजी भवन  
नई दिल्ली-110 016

**National Council for Science and Technology Communication**  
**Department of Science and Technology, Govt. of India**  
**Technology Bhawan**  
**New Delhi - 110 016**